NT>

Title: Need to stop telecasting of serial "Vishnupuran" on DD-I.

डॉ. मदन प्रसाद जायसवाल (बेतिया) : महोदय, मामला बहुत गम्भीर है। 8 सितम्बर, 2002 से टीवी सीरियल "विणु पुराण" सुबह 9 बजे से 10 बजे तक हर रविवार को दिखलाया जा रहा है। इस सीरियल में जायसवाल समाज के इटदेव, श्री सहस्त्रबाहु अर्जुन जी, का चरित्रहनन किया जा रहा है। जायसवाल समाज के चार सांसद - कांग्रेस के श्री श्रीप्रकाश जायसवाल, समाजवादी पार्टी के श्री जवाहर लाल जायसवाल और बीजेपी से मैं तथा श्री शंकर प्रसाद जायसवाल - हैं। मध्य प्रदेश में इनके जन्मदिन पर सरकारी छुट्टी होती है, लेकिन जिस तरह से हमारे इटदेव का चरित्रहनन किया जा रहा है, वह बहुत दुखदायी है। इस घटना से सारा जायसवाल समाज उद्वेलित है। इस संबंध में मेरे पास रोज 10-15 चिट्ठियां आ रही हैं कि आप क्या कर रहे हैं, आप संसद में बैठते हैं और यह सीरियल अभी भी दिखलाया जा रहा है। हमारे इटदेव का चरित्रहनन किया जा रहा है। आप कुछ नहीं बोल रहे हैं और सरकार भी कुछ नहीं कर रही है। बीच में यह सीरियल इसी वजह से रोक दिया गया था, लेकिन 8 सितम्बर से फिर दिखलाया जा रहा है। उनके बच्चों को राक्षस के रूप में दिखलाया जा रहा है। महोदय, मैं क्या राक्षस की संतान दिख रहा हूं। मैं उनकी संतान हूं। माननीय मंत्री जी सदन में बैठे हुए हैं, मेरा आग्रह है कि इस सीरियल को रुकवाया जाए और हमारे इटदेव का चरित्रहनन न किया जाए।

मैं मांग करता हूं कि आप इस विाय में ध्यान दें।â€¦ (व्यवधान)

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल (कानपुर) : महोदय, मैं भी जायसवाल जी की भावनाओं से पूरी तरह सहमत हूं।â€¦ (व्यवधान) महोदय, एक मिनट मेरी बात सुन लीजिए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपकी बात मैं बाद में सुनूंगा।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मुझे इनडिसिप्लिन नहीं चाहिए, मैं हरेक को अनुमति नहीं दे सकता हूं।

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : महोदय, मैं एसोसिएट कर रहा हूं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, आपको एसोसिएट कर दिया।